विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 53 | माह - मई 2023, मूल्य : नि:शुल्क

रिपोर्ट
'स्कूल चलें हम' अभियान की समग्र मूल्यांकन रिपोर्ट

स्वरोजगार
महिलाएं गोबर से बना रहीं शील्ड एवं घड़ियां

स्वावलंबी
स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना ही पहली प्राथमिकता

रिसर्च पेपर
पर्यावरण, मानवीय संबंधों पर आधारित 55 रिसर्च पेपर

सक्सेस स्टोरी
उन सफल उद्यमियों की कहानी जिन्होंने नवयुवकों को प्रेरणा दी

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

विचार समिति एवं लीफी के संयुक्त तत्वावधान में 'स्कूल चलें हम' अभियान की 2022-23 की समग्र मूल्यांकन रिपोर्ट

1- आकलन का संदर्भ -

दिसंबर 2022 के महीने में आयोजित किए गए साल के आकलन की शुरुआत के बाद से हमारी प्रगति का आकलन करने के लिए 59 बच्चों के साथ 6 स्कूलों में अप्रैल 2023 के महीने में मिडलाइन मूल्यांकन किया गया था।

2- आकलन करने की प्रक्रिया

- सबसे पहले मिडलाइन असेसमेंट इस आधार पर किया गया कि बच्चों ने 3 महीने में क्या पढ़ा है।
- वाईटीएल को प्रशिक्षित किया गया कि मिडलाइन मूल्यांकन कैसे करें।
- फिर सभी वाईटीएल ने अपने-अपने समुदायों में मिडलाइन मूल्यांकन लिया।
- सभी YTL ने बच्चों की कॉपी की जाँच की और ट्रैकर शीट पर मूल्यांकन चिह्न लगा दिए।
- एलआईएफआई टीम ने आकलन के आंकड़ों का विश्लेषण किया।
- बेसलाइन और एमओवाई डेटा की तुलना की गई और रिपोर्ट तैयार की गई।

3- आकलन के विषय - हिंदी और गणित

4- समग्र विश्लेषण

- शिक्षक वार प्रतिशत

बेसलाइन और मिडलाइन डेल्टा शिक्षक वार						
ग्रेड 1						
वाईटीएल नाम	हिंदी			गणित		
	मिडलाइन औसत %	बेसलाइन औसत %	डेल्टा	मिडलाइन औसत %	बेसलाइन औसत %	डेल्टा
अनुराधा	53	22	31	80	34	46
स्मृति	34	0	34	41	9	32
मोंटी राज	69	48	21	71	79	-8
सिवानी	49	22	27	59	23	36
निकिता	42	3	39	58	4	54
हुमा	77	24	53	79	35	44

कुल प्रतिशत

कुल मिलाकर बेसलाइन एंड मिडलाइन डेल्टा					
ग्रेड 1					
हिंदी			गणित		
मिडलाइन औसत%	बेसलाइन औसत %	डेल्टा	मिडलाइन औसत %	बेसलाइन औसत %	डेल्टा
54	20	34	65	31	34

5 - प्रत्येक बच्चे की प्रगति

आधारभूत 85 बच्चों के साथ मूल्यांकन एक मिडलाइन आयोजित किया 59 बच्चों के साथ मूल्यांकन सम्पन्न हुआ, 16 छात्र मिडलाइन मूल्यांकन में शामिल नहीं हुए।

6- आकलन की तस्वीरें -

शैक्षणिक परियोजना सत्र की समाप्ति, निरीक्षण, अभिभावकों एवं बच्चों के अनुभव

लीफी संस्थापक रमन बहल ने युवा शिक्षकों के लिए मार्गदर्शन दिए।

शिक्षा एक प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्ति को ज्ञान, विचारशीलता, अनुभव, अभिरुचि और सामाजिक मूल्यों का ज्ञान दिया जाता है। यह जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू होती है, जैसे शिक्षा, सामाजिक जीवन, संगठन विकास और संस्कृति के क्षेत्र में। लीफी एवं विचार समिति के सहयोजन से अभियान चलाया जा रहा है। पिछले 1 वर्ष में हमारे शिक्षक बच्चों में काफी कुछ सुधार कर पाए। संस्थापक रमन बहल ने "लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप" एवं "स्कूल चलें हम" अभियान के सभी समुदायों के बच्चों से मुलाकात की एवं युवा फ़ेलोस शिक्षकों के लिए जरुरी सुधारो की ओर ध्यान देने पर जोर दिया। अंतिम लक्ष्य बच्चों को औपचारिक स्कूलों में वापस दाखिला दिलाना है। विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने अभिभावकों से मुलाक़ात की एवं 4 माह में आये बौद्धिक बदलाओं को जाना। उन्होंने कहा शिक्षा हमें सफल जीवन जीने के लिए तैयार करती है।

दैनिक जीवन की सामग्री से सीखते हुए बच्चे।

बच्चों के अनुभव–

- मुकेश रामघाट में रहते है, शासकीय स्कूल में कक्षा 3 में पढ़ते हैं। बेसलाइन पेपर में मुकेश सामान्य अक्षरों, अंक को नहीं पहचान पा रहे थे। हमारे अभियान के शुरुवाती दौर में हमने पहचाना मुकेश की आवश्यकताओं को, चार माह बाद मिडलाइन में स्पष्ट रूप से मुकेश के बौद्धिक स्तर में बदलाव दिखा है।
- कृष्णा बड़ा करीला निवासी है। कक्षा दूसरी में पढ़ते हैं। पिछले 2 वर्षो के दौरान एक बार भी स्कूल नहीं गए। स्कूल चले हम अभियान से जुड़कर कृष्णा सेंटर पर हर दिन आते और अब हर दिन स्कूल भी जाते। युवा शिक्षक मोंटीराज कहते हैं कि कृष्णा बुद्धि का बहुत तेज है, जो भी सिखाते बहुत जल्दी सीखता है।
- हर्षराज भगवान गंज में रहते है। हर्ष माता-पिता के साथ अक्सर कबाड़ा बीनने जाता जिसकी वजह से अपनी पढ़ाई में कमजोर होता जा रहा था। अभियान के शुरुवाती दौर में हर्ष के माता-पिता से बातचीत हुई एवं दो घंटे की कक्षा में भेजने के लिए कहा गया। चार माह में हिंदी विषय में 28 प्रति. और गणित में 24 प्रति. स्कोर किया है।

अभिभावकों के अनुभव -

- अभिभावक रुबीना असरद की मां है। वे कहती हैं असरद स्कूल नहीं जाता था, अनुराधा मेडम उसे हर दिन स्कूल ले जाने के लिए आती थीं, घर पर सीखने के लिए कुछ न कुछ होमवर्क देती थीं। अब हर दिन स्कूल जाता है।
- हिना पहली कक्षा की छात्रा है, मिडलाइन असिस्मेंट में पहले के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन रहा। हिना की मां अंजुम खेतों में मजदूरी पर जाती है, पिता का साया बहुत पहले उठ चुका है। घर चलाने, हिना का ध्यान रखना उनकी पहली प्राथमिकता है।

शिक्षकों के अनुभव -

युवा शिक्षक अनुराधा यादव ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि मेरे लिए खुशनुमा नया अनुभव रहा, शुरुवाती दौर में बच्चों को पढ़ाना उन्हें लगातार निंरतर कक्षा में बनाये रखना काफी मुश्किल था। कुछ बच्चों के साथ निजी तौर पर जुड़ने की जरूरत भी है वे सभी बच्चों के साथ अच्छा प्रदर्शन कर सकें। मुझे खुशी है कि इन बच्चों के सीखने स्तर में काफ़ी अंतर आया है।

विचार मोहल्ला विकास की महिलाएं गोबर से शील्ड और घड़ियां बना रही हैं

कमला यादव गाय के गोबर, सांचे की सहायता से कंडे और शील्ड बना रही हैं। दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह से इन्होंने कंडे और शील्ड बनाना शुरू किया था और अभी तक 4000 से अधिक कंडे 100 से अधिक शील्ड बना चुकी हैं। इनके साथ 10 अन्य महिलायें और यह कार्य रतनगंज में कर रही हैं। कमला कहती हैं विचार समिति द्वारा मोहल्ला विकास की टीम के गठन के बाद हमें यह जानकारी दी गई कि गाय के गोबर से उत्पाद बनवाये जा रहे हैं। पहले हमें प्रशिक्षण दिया गया, और कार्य प्रारम्भ कर दिया। बेमौसम बरसात और गोबर के कीड़ों की बजह से अक्सर परेशानी आती है, बार- बार मेहनत करनी पड़ती है। यह मटेरियल पुन: उपयोगी होता है। ज्यादातर समय ऐसे ही निकल जाता था, पर अब काम वही है लेकिन मुनाफ़ा भी होता है।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया कहती है कि आज प्रत्येक छोटे- बड़े शहर के बाहर सामान्य तौर पर कूड़े के पहाड़ खड़े हुए हैं, इनसे न जाने कितनी जहरीली गैस निकलती है जो आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बीमार कर रही हैं। यह कचरा मुख्यत: प्लास्टिक, पॉलिथीन से बना हुआ होता है। जिसका आसानी से कोई समाधान नहीं है। इन सभी का विकल्प इको- फ्रेंडली उत्पाद है। इन उत्पादों में गौ उत्पाद कारगर रूप से सफल है। परियोजना सहयोगी विनय चौरसिया ने जानकारी देते कहा गाय का गोबर एक बहुमुखी और उपयोगी संसाधन है।

कमला यादव गाय के गोबर से शील्ड बनाते हुए।

जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाने के लिए किया जा सकता है, महिलाएं गोबर व अन्य जड़ी-बूटियों की मदद से दियों के अलावा धूपबत्ती, हवन सामग्री, समरानी कप, भगवान की मूर्तियां आदि का निर्माण कर रही हैं। विशेष तौर पर घड़ियां, ट्रॉफी, गुलदस्ता गमला, मोबाइल स्टेण्ड को तैयार किया जा रहा है। यह घड़ियां ऑफिस, घर, मंदिर, सार्वजानिक स्थलों, उपहार स्वरुप भेंट की जा सकती है। 200 से घड़ियां आर्डर पर भेजी जा चुकी हैं। शील्डों के प्रति बहुत ही सकारात्मक परिणाम आये हैं। सामाजिक संस्थाओ, स्कूलों ने प्रोत्साहन स्वरुप क्रय की है।

इनके निर्माण में सामान्यत: एक सप्ताह का समय लग जाता है क्योंकि गोबर से कंडा बनाकर सुखाना, काटना, आकर देना, घिसना, डिजायन की पूरी प्रक्रिया को संपन्न किया जाता है।

स्वरोजगार कर रहीं महिलाओं के जीवन में एक माह में ही दिखने लगे परिवर्तन

रामकली पटेल पीकू, फायल, रफू का कार्य करते हुए।

स्वरोजगार कार्यशाला के बाद पिछले माह से ही रामकली पटेल ने मशीनों की मदद से सिलाई, पीकू, फायल, रफू से कार्य शुरू कर दिया था। 10वीं कक्षा में फेल हो जाने के बाद रामकली के पिता ने कहा कुछ सीख लो, घर से पांच छः किलोमीटर सदर आकर सिलाई सीखी। आज क्वेस्ट एलाइंस एवं विचार समिति के सहयोग से राजीवनगर में बचपन में सीखी कला से स्वरोजग़ार शुरू किया। रामकली कहती है कि पहले सिलाई अकेले का कार्य करती थीं। ग्राहक के लिए पीकू, फायल, रफू के लिए दूसरे जगह जाना होता था. काम कम ही मिलता था। अब स्थिति बदल गई है। सभी कार्य यहीं से हो जाता है। प्रशिक्षण से यह लाभ हुआ कि ग्राहकों की पहचान करना, उनकी आवश्यकताओं को समझना आदि से बहुत लाभ हुआ है। त्योहार के अवसरों पर काम बहुत आता है। सामान्य औसत में 20 से अधिक ग्राहकों का निरंतर काम मिल रहा है। बेटी माही ने नौवीं कक्षा में 96 प्रतिशत से पास की। पढ़ाई के साथ-साथ माही मां की मदद करती है। रामकली कहती हैं कि वे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाईं लेकिन बेटी की अच्छे से पढ़ाई हो यही इच्छा है।

लक्ष्मी पटेल ने अपने ही घर में खोली किराने की दुकान।

राजीव नगर की लक्ष्मी पटेल कहती हैं कि किराना दुकान की यह प्रमुख विशेषता है, जितनी अधिक प्रकार की सामग्री उतना अधिक मुनाफा। ग्राहकों के लिए सभी चीजें अगर एक जगह मिल जाएं तो निरंतरता बनी रहती है यह कहते हुये लक्ष्मी पटेल ने स्वरोजग़ार की जानकारी दी। उन्होंने कहा हमारी किराना दुकान राजीव नगर के तिराहे पर घर में स्थित है, एक माह में सामग्री की आपूर्ति में बहुत सुधार आया। मासिक आय 30 हजार रूपये तक पहुंच गई। हमारी दुकान में 160 से अधिक प्रोडक्ट उपलब्ध हैं और लगातार 50 ग्राहक निरंतर बने रहते हैं। हम 5000 से अधिक रुपए बचा पाते हैं। क्वेस्ट एलाइंस एवं विचार समिति के सहयोग से इस कार्य में बहुत सहयोग मिला। सबसे अच्छी बात यह है कि हमारे कार्य की निगरानी रखी जाती है। स्वरोजगार एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करता है जहां एक व्यक्ति किसी और के द्वारा नियोजित होने के बजाय स्वयं के लिए काम करता है। स्व-नियोजित व्यक्ति अपनी स्वयं की आय उत्पन्न करने, अपने स्वयं के समय का प्रबंधन करने और अपने स्वयं के लाभ प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। स्वरोजग़ार प्रबंधन की जानकारी देते हुए परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति का कहना है कि स्व-नियोजित व्यक्तियों का अपने कार्य प्रबंधन पर अधिक नियंत्रण होता है।

वार्षिक मूल्यांकन के बाद बच्चों के साथ शिक्षकों ने लिया समर कैंप में हिस्सा

समर कैंप में बच्चों ने कलात्मक वस्तुएं बनाईं एवं सीखीं।

वार्षिक मूल्यांकन सत्र के बाद बच्चों के साथ शिक्षकों द्वारा समर कैंप बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कैंप में बच्चों को कहानी, कविता, पेपर मेकिंग, मिठाईयां आदि बनाना सिखाया। बच्चों ने बहुत ही कलात्मक वस्तुएं बनाई एवं सीखी। समर कैंप एक ऐसा कैंप है जो सामान्य रूप से गर्मियों के मौसम में आयोजित किया जाता है। यह एक सामाजिक और मनोरंजन का एक प्रकार होता है जो लोगों को एक साथ रहने, सीखने और अनुभव करने का एक मौका प्रदान करता है। समर कैंप में विभिन्न गतिविधियों जैसे कि हेंडमेड वस्तुए बनाना, गर्मियों में पक्षियों का ध्यान कैसे रखें, मेला लगाना आदि सिखाया। समर कैंप में संगीत, कला और खेल जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया। समर कैंप सामाजिक और मनोरंजन के लिए एक मजेदार मंच होता है जो लोगों को अपनी सीमाओं से दूर ले जाने में मदद करता है और उन्हें एक अनुभव और यादें प्रदान करता है। लीफी संस्थापक रमन बहल ने शिक्षा परियोजना सहयोगी पूजा लोधी एवं अभिषेक के लिए शिक्षकों के बीच में किस प्रकार से कार्य करना। व्यावहारिक अनुपालन, संबंधित नई जानकारियों को जोड़ना एवं एक शिक्षकों एवं छात्रों के मजबूत संबंध पर जोर दिया।

सदियों से हथकरघा का संबंध कपड़ों से जुड़ी भारतीय कारीगरी से रहा है

विचार समिति महिलाओं को स्वरोजगार देने के लिए हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र चला रही है। सदियों से हथकरघा का संबंध कपड़ों से जुड़ी उत्कृष्ट भारतीय कारीगरी और लगभग प्रत्येक राज्य में लाखों हथकरघा कारीगरों को रोजगार का स्रोत उपलब्ध कराने से जोड़ा जाता रहा है। मध्य प्रदेश की चंदेरी और ओडिशा के टसर और इकाट जैसे इन विशिष्ट हथकरघा उत्पादों के निर्माण में शामिल कौशल देश की विशेष सांस्कृतिक पूंजी का हिस्सा हैं। आज हममें से अधिकांश लोग शादी विवाह एवं त्यौहारों जैसे विशेष अवसरों पर सर्वाधिक जटिल ढंग से बुने पारंपरिक परिधान पहनना नहीं भूलते।

हमारे केंद्र में हथकरघा द्वारा निर्मित वस्त्र के गुण -

- वस्त्र पूर्ण रूप से सूती होते हैं।
- इन वस्त्रों में पॉलीस्टार, टेरीकॉट आदि की मिलावट नहीं होती।
- यह वस्त्र स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।
- इन वस्त्रों को बनाने में प्रकृति के लिए कोई हानि नहीं होती।
- यह वस्त्र बिना बिजली के उपयोग के गांव में ही निर्मित किया जा सकता है।

उद्देश्य-

- स्वास्थ्य।
- रोजगार प्रदान करना।
- गांवों से पलायन रोकना।
- किसान को खेती के साथ एक विकल्प देना।
- शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करना।
- श्रमिकों का शोषण रोकना एवं श्रम के प्रति प्रेरणा देना।

मुख्य उत्पाद-

- शर्ट
- कुर्ता
- पजामा
- धोती
- दुपट्टा
- साड़ी
- चादर
- बेडशीट आदि

अन्य उत्पाद-

- पानी थैली
- चक्की थैली
- रुमाल
- नैपकिन।

स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना ही पहली प्राथमिकता : राघवेन्द्र सिंह चंदेल

स्वावलंबी भारत अभियान की बैठक विचार कार्यालय में हुई।

स्वावलंबी भारत अभियान के क्षेत्रीय समन्वयक राघवेंद्र सिंह चंदेल का एक दिवसीय प्रवास दौरा सागर में हुआ। जिले में उपलब्ध संसाधन, आवश्यकताएं, स्वरोजगार, स्वालंबन एवं उद्यमिता, सहकारिता विषय पर चर्चा हुई। लघु एवं कुटीर उद्योग की सूची तय की गई। स्थानीय स्तर पर किस तरह के स्वरोजगार उपलब्ध करवाए जाएं चर्चा के दौरान राघवेंद्र सिंह चंदेल ने कहा कृषि घाटे का सौदा नहीं मुनाफे का सौदा होना चाहिए। हमें कृषि की ओर अग्रसर होना चाहिए। देश की लगभग 42 से 43% जनसंख्या कृषि पर निर्भर है किंतु उनकी आमदनी का स्तर बहुत कम है। प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया ने कहा आज युवा कृषि के प्रति नकारात्मकता से भरे हुए हैं, हमें उनके लिए छोटे किसान जो सफल एवं अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। उनको रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना होगा। इस प्रकार युवाओं को कृषि की ओर अग्रसर कर सकेंगे। उन्होंने कृषि आधारित पुस्तक “प्रगतिशील” का जिक्र किया। कार्यक्रम के अंत में जिला समन्वयक राजकुमार नामदेव ने रोजगार केंद्र सेवाओं की जानकारी दी जिसमें व्यवसाय, प्रशिक्षण, उद्यमिता, विकासवादी कार्यक्रम, कार्यशाला, नवाचार की शुरुआत, एमएसएमई, प्रारंभिक मूलधन, अध्ययन सामग्री, पुस्तकालय, सीवी बैंक, नौकरी की तैयारी कार्यक्षेत्र, नौकरी मेला आदि। युवा विचार समिति कार्यालय में दोपहर 3:00 से 6:00 बजे तक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

विचार समिति ने पर्यावरण, मानवीय संबंधों तथा सामाजिक मुद्दों पर आधारित 55 रिसर्च पेपर प्रकाशित किये

समस्याओं को तार्किक तथा क्रमबद्ध पद्धतियों के द्वारा नवीन तथ्यों की खोज अथवा पुराने तथ्यों को और उनके अनुक्रमों, अन्तर्सम्बन्धों, कारणों तथा उनको संचालित करने वाले प्राकृतिक नियमों को खोजना है, के साथ समाधन ढूढ़ने के लिए अनुसंधान का बहुत ही महत्व है। समिति ने पर्यावरण, मानवीय संबंधों तथा सामाजिक मुद्दों आधरित 55 रिसर्च पेपर प्रकाशित किये है।

रिसर्च पेपर के विषय एवं उनके मुख्य बिंदु ....

विषय- 1 सामाजिक और पर्यावरण अध्ययन : अनुष्का माहेश्वरी

मुख्य बिंदु -

- "पर्यावरण शिक्षा" की अवधारणा चेतना के निर्माण पर आधारित है और इसका उद्देश्य वातावरण के खतरों, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की आवश्यकता और सभ्यता की उन्नति के लिए इन संसाधनों के बुद्धिमत्ता से उपयोग के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है।
- पर्यावरण एक भौतिक, जैविक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय व्यवस्था है जिसमें लोग और अन्य जीवित चीजें परस्पर क्रिया और संबंध बनाए रखते हैं।
- इसमें जीवित और निर्जीव दोनों घटक शामिल हैं और जीवित चीजों के लिए इसका बहुत महत्व है।
- पर्यावरण के अनुकूल बनने के लिए कदम उठाने चाहिए, जैसे जागरूकता बढ़ाना, पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करना और नियमों का पालन करना, एक स्थायी दुनिया सुनिश्चित करना है।
- पर्यावरण शिक्षा छात्रों को संलग्न होने के अवसर प्रदान करती है, असली दुनिया मुद्दों और कौशल हासिल करने के लिए उन्हें रचनात्मक समस्या समाधानकर्ता और शक्तिशाली समर्थक बनने की आवश्यकता होती है।
- माता-पिता को अगली पीढ़ी को शिक्षित करने में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे बड़े होकर जिम्मेदार पर्यावरण नागरिक बनें।
- पर्यावरण शिक्षा स्थानीय और वैश्विक पर्यावरण दोनों के लिए जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के साथ-साथ सभी लोगों के लिए पर्यावरण न्याय की इच्छा पैदा करने के लिए आवश्यक है।

यह लोगों के दृष्टिकोण को संशोधित करना चाहता है ताकि वे अधिक जिम्मेदार हों और पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान खोजने में सक्रिय रूप से भाग लें।

विषय- 2 - COVID-19 ने बच्चों के "मानसिक स्वास्थ्य" को कैसे प्रभावित किया है ? : अनुष्का माहेश्वरी

मुख्य बिंदु -

- यह सुनिश्चित करने के लिए माता-पिता और सरकारों की तत्काल जिम्मेदारी थी कि बच्चे के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक प्रभावों को कैसे सुरक्षित किया जाए।
- उच्च जोखिम वाले देशों में स्कूल बंद होने और आर्थिक उथल-पुथल से बालश्रम, बाल विवाह आदि जैसी समस्याएं बढ़ीं।
- भारत में COVID-19 महामारी ने संकट और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों को जन्म दिया है। परिवारों के प्रति व्यवहार, जिसमे सबसे कमजोर समूह बच्चे और किशोर हैं।

COVID-19 महामारी का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक प्रगति, सुरक्षा, गोपनीयता, वित्तीय स्थिरता और अन्य कारकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा था। लगातार एक जगह बनें रहने से और बीमारियों के प्रसार को रोकने के प्रयासों के बीच संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

समिति ने यह रिसर्च पेपर समिति सचिव आकांक्षा मलैया और वंशिका महाना के साथ विषयों से जुड़े विद्यार्थियों द्वारा विश्लेषण कर पूर्ण निष्कर्ष के साथ प्रकाशित किए गए हैं।

सफल उद्यमियों की कहानी

जिन्दगी इम्तिहान लेती है यह पूरी तरह सच है किन्तु विपरीत परिस्थितियों से लड़कर जो इंसान अपने जीवन को सवार लेते है, असल योद्धा वही होते है। हम आपके लिए लेकर आये है उन सफल उद्यमियो की कहानी जिन्होंने न केवल अपना घर सवारा बल्कि बहुत से परिवारों को रोजगार दिया। उनकी कहानी बहुत से कारोबारियों के लिए प्रेरणा है।

55 हजार की लागत से केटरिंग की शुरुवात की थी :

10 नबंबर 1985 को जन्मे शैलेन्द्र सोनी आज अपनी अलग पहचान के लिए जाने जाते है। पिता चांदी और सोने के आभूषण मजदूरी से बनाया करते थे। शैलेन्द्र पढ़ाई के साथ-साथ पिता की मदद करते हुए 2003 में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। 2006 में मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक की परीक्षा पास की मैरिट में रह गये। सवाल आजीविका से शुरू हुआ, अपना अनुभव बताते हुए कहते है। मैं अपने दोस्तों के साथ अक्सर पिकनिक मनाने या कुछ मस्ती में बनाने और खाने के शौक़ीन थे। आमतौर पर साधारण भोजन के लिए अलग- अलग तरीकों से बनाना ही शौक था। पहले मैनें कार्य शादियों में कभी चाट की तो कभी किसी और चीज में बेटर लगाने से शुरू किया था। 2007 से 2015 तक आर्डर पर खाना बनाया। उसकी अपनी समस्याएं थी, तो मैंने छोड़ दिया। "जब हम किसी क्षेत्र में शुरुआत करते हैं तो लोग टांग खींचने पीछे अपने आप आ जाते हैं। कांपिटीशन भी काफी था। काफ़ी संघर्ष के बाद 55 हजार की लागत से केटरिंग की शुरुवात की। मैंने कैटरिंग की गुणवत्ता, सफाई, शुद्धता की बदौलत अपने ग्राहकों का विश्वास जीता है।

मेरा हमेशा से यही भाव रहा जीवन में सभी सुखी और संपन्न रहे।

आज के युवाओं के लिए-

आज के युवा मुख्य रूप से जॉब के लिए आस में रहते हैं, इसका ठीक-ठाक कारण क्या कहा जाए उस पर कहा नहीं जा सकता। मैं देखता हूं कि आज के युवाओं में तनाव काफी भरा हुआ है। उनके पारिवारिक सपोर्ट के बावजूद। वे अपने जीवन के प्रति, भविष्य के प्रति चिंताओं से भर गए। इसका नकारात्मक परिणाम यह भी होता है कि वे नशे के शिकार या अन्य चीजों के शिकार हो जाते हैं। आज जीवन में कितना कुछ है करने को आप देख रहे हो। आपको समझना होगा कि रोजगार आपके घर चलकर नहीं आएगा। आपको ढूंढना और करना पड़ेगा। आज ई-कॉमर्स के कितने उदाहरण हमारे सामने हैं। आपके पास अगर नॉलेज है तो कोई भी ई-कॉमर्स की कंपनी खड़ी कर सकते हो। ऐसे कितने सारे उदाहरण हमारे सामने है। मेरा आप सभी से यही कहना है कि विपरीत परिस्थितियां कितनी भी आ जाएं अपने धर्म और अपने कर्म को नहीं छोड़ना चाहिए। आप परेशान हो सकते हो पर पराजित नहीं। जिस किसी ने भी जीवन को जमीनी स्तर पर जिया है या देखा है वे कभी असफल नहीं होंगे। आपका संघर्ष ही अंततः साथ देगा। अपने मां-बाप के जीवन को देखें और उनके संघर्षों को अपने साथ जोड़ें। आप बहुत कुछ बेहतर कर सकेंगे। शैलेंद्र सोनी प्रति माह 75 हजार से अधिक रुपए का महीना आय अर्जित कर लेते हैं।

इसके साथ ही उन्होंने लगभग 100 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। हम आपके लिए हर माह इसी तरह कुछ रोचक कहानियां लेकर आते रहेंगे। अपने जीवन को बेहतर सुंदर बनाएं हमारी यही कामना है। रविंद्र जी का मार्गदर्शन आप सभी के लिए समय 3 बजे से 6 बजे तक कार्यालय में मिलता रहेगा।

महादेव कंसलटेन्सी फॉर्म से 100 ग्राहकों के साथ 5 लोगों को दिया रोजग़ार - 24 वर्षीय विक्रम पटवा संत रविदास वार्ड निवासी है। कहते है जीवन में अभाव ही व्यक्ति को निख़ार देता है, परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। 6 वर्ष पूर्व तक किराना व्यापारी के यहां 50 रूपये की दैनिक मजदूरी से कार्य किया। उनके दृढ़ विश्वास और दृढ़ संकल्प ने उन्हें किसी और ही कार्य के लिए चुना। 4 वर्ष तक सीए. के अंडर कार्य सीखा, पुनः पढ़ने का मन बनाया एवं पिछले डेढ़ पूर्व महादेव कंसलटेन्सी नामक फार्म स्थापित कर स्वरोजग़ार की शुरुवात की। जीएसटी/इनकम टैक्स एकाउंटिंग के माध्यम से सेवाएं देने लगे।

विक्रम पटवा 100 से अधिक ग्राहकों के साथ 5 से अधिक लोगों को रोज़गार दे रहे है। लगभग 1 लाख रूपये की मासिक आमदनी से जीवन की उचाईयों को छू रहे है। स्वावलंबी भारत अभियान पूरे भारत को बेरोजगारी से मुक्ति दिलाने के लिए चलाया जा रहा है।

स्वदेशी, उद्यमिता, सहकारिता के साथ एक सूत्र में जोड़ने से ही हम सफल हो सकेंगे। युवाओं के लिए आसपास के क्षेत्र के सफल उद्यमियों से मिलायेंगे।

हैप्पीनेस
प्रोग्राम
प.पू. गुरूदेव
श्री श्री रविशंकर जी
सीखें सुदर्शन क्रिया एवं ध्यान
स्वस्थ शरीर एवं शांत मन
लाभ :-
• बेहतर एवं रोगमुक्त शरीर
• तनाव मुक्त एवं शांत मन
• आपसी संबंधों में सौहार्द
• उत्साह वर्धक ऊर्जा
• उच्च स्तर पर जीवन के फैसले लेने की क्षमता
• किसानी पेशा से जुड़े लोगों में ऊर्जा के संचार हेतु लाभदायक
• शुगर और बीपी के मरीजों को लाभ दायक
– समय –
प्रात: 6 से 8 बजे
– दिनांक –
9 से 13 मई 2023
- संपर्क करें -
+91 9131048809
+91 9993737456
THE ART OF LIVING
श्री कपिल मलैया जी
शिक्षक, आर्ट ऑफ लिविंग

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is Us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

VICHAR SAMITI
powered by: danamojo
cfpay.dmvicharsamiti@icici
UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर